थांथाई पेरियार स्मारक

स्रोत: द हिंदू

हाल ही में केरल और तमिलनाडु के मुख्यमंत्रियों ने **वायकोम में पुनर्निर्मित थांथाई पेरियार स्मारक का उद्घाटन किया, जो तमिल सुधारवादी ई.वी. रामासामी नायकर, जिन्हें थांथाई पेरियार के नाम से जाना जाता है,** के योगदान को याद करने वाला एक महत्त्वपूर्ण स्थल है।

- यह स्मारक **थांथाई पेरियार स्मृति में निर्मित किया गया है**, जिन्होंने **अप्रैल 1924** में भारत में **'अछूत' समुदायों** के अधिकारों के लिये **पहले संगठित आंदोलन** के रूप में पहचाने जाने वाले वायकोम सत्याग्रह में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
    - पेरियार की सक्रियता के कारण उन्हें आंदोलन में भाग लेने के लिये दो बार जेल जाना पड़ा, जिससे उन्हें **'वायकोम वीरन' की उपाधि मिली।**
- पुनर्निर्मित स्मारक में एक **नया पुस्तकालय** और पेरियार की जीवनी, द्रविड़ आंदोलन **का इतिहास** एवं प्रमुख नेताओं के साथ उनके संबंधों का विवरण देने वाली **सामग्री शामिल है।**
- **पेरियार का योगदान:**
    - वायकोम सत्याग्रह **30 मार्च 1924 से 23 नवंबर 1925 तक वायकोम, केरल में आयोजित एक शांतिपूर्ण विरोध का** नेतृत्व दूरदर्शी नेता **टीके माधवन, केपी केशव मेनन** और **के. केलप्पन ने किया था।**
    - इन्होंने **आत्म-सम्मान आंदोलन और द्रविड़ कझगम की शुरुआत की,** इन्हें **'द्रविड़ आंदोलन के जनक' के रूप में जाना जाता है।**

//

अधिक पढ़ें: वायकोम सत्याग्रह के 100 वर्ष

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/thanthai-periyar-memorial